"समझते हो ना कि हम ही थे, हम ही अब हैं और कल्पकल्प हम ही फिर होंगे।- यह 'फिर से' की स्मृति और नॉलेज और किसी भी आत्मा को, महान आत्मा को, धर्म आत्मा को वा धर्म पिता को भी नहीं है। लेकिन आप सब ब्राह्मण आत्माओं को इतनी स्पष्ट स्मृति है वा स्पष्ट नॉलेज है जैसे 5000 वर्ष की बात कल की बात है।

"कल थे आज हैं फिर कल होंगे।" (AM 11.02.18 रिवाइज 30.04.83)

समर्थ बनाती 'फिर से' की स्मृतियां

1. हम ही पूज्य थे, हम ही अब पूज्य हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर पूज्य होंगे।

2. हम ही महान योगी थे, हम ही अब महान योगी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर महान योगी होंगे।

3. हम ही विश्व के रहेनुमा थे, हम ही अब विश्व के रहेनुमा हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर विश्व के रहेनुमा होंगे।

4. हम ही ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी थे, हम ही अब ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी होंगे।

5. हम ही गोडली स्टूडेन्ट थे, हम ही अब गोडली स्टूडेन्ट हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर गोडली स्टूडेन्ट होंगे।

6. हम ही सिद्धि स्वरूप थे, हम ही अब सिद्धि स्वरूप हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सिद्धि स्वरूप होंगे।

7. हम ही त्रिनेत्री थे, हम ही अब त्रिनेत्री हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर त्रिनेत्री होंगे।

8. हम ही स्वराज्य अधिकारी थे, हम ही अब स्वराज्य अधिकारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर स्वराज्य अधिकारी होंगे।

9. हम ही बेहद के सन्यासी थे, हम ही अब बेहद के सन्यासी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर बेहद के सन्यासी होंगे।

10. हम ही प्रभु प्रेम के परवाने थे, हम ही अब प्रभु प्रेम के परवाने हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर प्रभु प्रेम के परवाने होंगे।

11. हम ही मायाजीत थे, हम ही अब मायाजीत हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मायाजीत होंगे।

12. हम ही विजय माला के मणके थे, हम ही अब विजय माला के मणके हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर विजय माला के मणके होंगे।

13. हम ही रूहानी यात्री थे, हम ही अब रूहानी यात्री हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर रूहानी यात्री होंगे।

14. हम ही त्रिकालदर्शी थे, हम ही अब त्रिकालदर्शी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर त्रिकालदर्शी होंगे।

15. हम ही डबल विश्व के मालिक थे, हम ही अब डबल विश्व के मालिक हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर डबल विश्व के मालिक होंगे।

16. हम ही मास्टर सर्व शक्तिमान थे, हम ही अब मास्टर सर्व शक्तिमान हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर सर्व शक्तिमान होंगे।

17. हम ही मास्टर ज्ञान सूर्य थे, हम ही अब मास्टर ज्ञान सूर्य हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर ज्ञान सूर्य होंगे।

18. हम ही स्वदर्शन चक्रधारी थे, हम ही अब स्वदर्शन चक्रधारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर स्वदर्शन चक्रधारी होंगे।

19. हम ही मास्टर लिबरेटर थे, हम ही अब मास्टर लिबरेटर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर लिबरेटर होंगे।

20. हम ही मास्टर भगवान थे, हम ही अब मास्टर भगवान हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर भगवान होंगे।

21. हम ही रूप बसन्त थे, हम ही अब रूप बसन्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर रूप बसन्त होंगे।

22. हम ही आध्यात्मिक जूगनू (spiritual fire fly) थे, हम ही अब आध्यात्मिक जूगनू (spiritual fire fly) हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर आध्यात्मिक जूगनू (spiritual fire fly) होंगे।

23. हम ही भगवान के वारिस थे, हम ही अब भगवान के वारिस हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर भगवान के वारिस होंगे।

24. हम ही रूहानी सैलवेशन आर्मी थे, हम ही अब रूहानी सैलवेशन आर्मी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर रूहानी सैलवेशन आर्मी होंगे।

25. हम ही हीरो एक्टर थे, हम ही अब हीरो एक्टर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर हीरो एक्टर होंगे।

26. हम ही गोप गोपी थे, हम ही अब गोप गोपी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर गोप गोपी होंगे।

27. हम ही सुखदेव थे, हम ही अब सुखदेव हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सुखदेव होंगे।

28. हम ही यज्ञ रक्षक थे, हम ही अब यज्ञ रक्षक हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर यज्ञ रक्षक होंगे।

29. हम ही मनमनाभव थे, हम ही अब मनमनाभव हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मनमनाभव होंगे।

30. हम ही विजयी पाण्डव थे, हम ही अब विजयी पाण्डव हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर विजयी पाण्डव होंगे।

31. हम ही संगमयुगी पॉट के फूल थे, हम ही अब संगमयुगी पॉट के फूल हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर संगमयुगी पॉट के फूल होंगे।

32. हम ही कोटों में कोई थे, हम ही अब कोटों में कोई हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर कोटों में कोई होंगे।

33. हम ही कल्प वृक्ष की जड़ों में थे, हम ही अब कल्प वृक्ष की जड़ों में हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर कल्प वृक्ष की जड़ों में होंगे।

34. हम ही पूर्वज थे, हम ही अब पूर्वज हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर पूर्वज होंगे।

35. हम ही आधारमूर्त और उद्धारमूर्त थे, हम ही अब आधारमूर्त और उद्धारमूर्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर आधारमूर्त और उद्धारमूर्त होंगे।

36. हम ही निद्राजीत थे, हम ही अब निद्राजीत हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर निद्राजीत होंगे।

37. हम ही आने वाले कल की तकदीर थे, हम ही अब आने वाले कल की तकदीर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर आने वाले कल की तकदीर होंगे।

38. हम ही मास्टर जादूगर थे, हम ही अब मास्टर जादूगर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर जादूगर होंगे।

39. हम ही सर्वस्व त्यागी थे, हम ही अब सर्वस्व त्यागी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सर्वस्व त्यागी होंगे।

40. हम ही बेगर टू प्रिन्स थे, हम ही अब बेगर टू प्रिन्स हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर बेगर टू प्रिन्स होंगे।

41. हम ही मास्टर विश्वपति थे, हम ही अब मास्टर विश्वपति हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर विश्वपति होंगे।

42. हम ही दूरांदेशी थे, हम ही अब दूरांदेशी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर दूरांदेशी होंगे।

43. हम ही पारस बुद्धि थे, हम ही अब पारस बुद्धि हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर पारस बुद्धि होंगे।

44. हम ही सम्पूर्ण समर्पित थे, हम ही अब सम्पूर्ण समर्पित हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सम्पूर्ण समर्पित होंगे।

45. हम ही कामधेनु थे, हम ही अब कामधेनु हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर कामधेनु होंगे।

46. हम ही बेदाग हीरा थे, हम ही अब बेदाग हीरा हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर बेदाग हीरा होंगे।

47. हम ही अंत:वाहक शरीरधारी थे, हम ही अब अंत:वाहक शरीरधारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अंत:वाहक शरीरधारी होंगे।

48. हम ही बंधन मुक्त थे, हम ही अब बंधन मुक्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर बंधन मुक्त होंगे।

49. हम ही उड़ता पंछी थे, हम ही अब उड़ता पंछी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर उड़ता पंछी होंगे।

50. हम ही लाइट हाउस माइट हाउस थे, हम ही अब लाइट हाउस माइट हाउस हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर लाइट हाउस माइट हाउस होंगे।

51. हम ही उदाहरण मूर्त थे, हम ही अब उदाहरण मूर्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर उदाहरण मूर्त होंगे।

52. हम ही सफलता मूर्त थे, हम ही अब सफलता मूर्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सफलता मूर्त होंगे।

53. हम ही सर्व गुणमूर्त थे, हम ही अब सर्व गुणमूर्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सर्व गुणमूर्त होंगे।

54. हम ही धरती के सितारे थे, हम ही अब धरती के सितारे हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर धरती के सितारे होंगे।

55. हम ही लॉ मेकर थे, हम ही अब लॉ मेकर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर लॉ मेकर होंगे।

56. हम ही होलीहंस थे, हम ही अब होलीहंस हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर होलीहंस होंगे।

57. हम ही रिचेस्ट इन ध वर्ल्ड थे, हम ही अब रिचेस्ट इन ध वर्ल्ड हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर रिचेस्ट इन ध वर्ल्ड होंगे।

58. हम ही इष्ट देव थे, हम ही अब इष्ट देव हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर इष्ट देव होंगे।

59. हम ही तीव्र पुरुषार्थी थे, हम ही अब तीव्र पुरुषार्थी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर तीव्र पुरुषार्थी होंगे।

60. हम ही नष्टोमोहा थे, हम ही अब नष्टोमोहा हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर नष्टोमोहा होंगे।

61. हम ही निर्विघ्न थे, हम ही अब निर्विघ्न हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर निर्विघ्न होंगे।

62. हम ही ऑलराउन्ड सेवाधारी थे, हम ही अब ऑलराउन्ड सेवाधारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर ऑलराउन्ड सेवाधारी होंगे।

63. हम ही विघ्न विनाशक थे, हम ही अब विघ्न विनाशक हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर विघ्न विनाशक होंगे।

64. हम ही आध्यात्मिक क्रांतिवीर थे, हम ही अब आध्यात्मिक क्रांतिवीर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर आध्यात्मिक क्रांतिवीर होंगे।

65. हम ही बड़े से बड़े खजानची (treasurer) थे, हम ही अब बड़े से बड़े खजानची (treasurer) हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर बड़े से बड़े खजानची (treasurer) होंगे।

66. हम ही अंगद थे, हम ही अब अंगद हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अंगद होंगे।

67. हम ही राजऋषि थे, हम ही अब राजऋषि हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर राजऋषि होंगे।

68. हम ही साक्षात्कार मूर्त थे, हम ही अब साक्षात्कार मूर्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर साक्षात्कार मूर्त होंगे।

69. हम ही अर्श निवासी थे, हम ही अब अर्श निवासी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अर्श निवासी होंगे।

70. हम ही अवतार थे, हम ही अब अवतार हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अवतार होंगे।

71. हम ही डबल अहिंसक थे, हम ही अब डबल अहिंसक हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर डबल अहिंसक होंगे।

72. हम ही प्रकृति जीत थे, हम ही अब प्रकृति जीत हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर प्रकृति जीत होंगे।

73. हम ही संतुष्ट मणि थे, हम ही अब संतुष्ट मणि हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर संतुष्ट मणि होंगे।

74. हम ही इच्छा मात्रम अविद्या थे, हम ही अब इच्छा मात्रम अविद्या हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर इच्छा मात्रम अविद्या होंगे।

75. हम ही मास्टर जानीजाननहार थे, हम ही अब मास्टर जानीजाननहार हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर जानीजाननहार होंगे।

76. हम ही डबल लाइट थे, हम ही अब डबल लाइट हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर डबल लाइट होंगे।

77. हम ही बालक सो मालिक थे, हम ही अब बालक सो मालिक हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर बालक सो मालिक होंगे।

78. हम ही मधुबन निवासी थे, हम ही अब मधुबन निवासी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मधुबन निवासी होंगे।

79. हम ही अल्लाह के बगीचे के रूहानी गुलाब थे, हम ही अब अल्लाह के बगीचे के रूहानी गुलाब हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अल्लाह के बगीचे के रूहानी गुलाब होंगे।

80. हम ही मास्टर विधाता थे, हम ही अब मास्टर विधाता हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर विधाता होंगे।

81. हम ही ब्राह्मण कुल भूषण थे, हम ही अब ब्राह्मण कुल भूषण हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर ब्राह्मण कुल भूषण होंगे।

82. हम ही सच्चे वैष्णव थे, हम ही अब सच्चे वैष्णव हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर सच्चे वैष्णव होंगे।

83. हम ही चैतन्य म्यूजियम थे, हम ही अब चैतन्य म्यूजियम हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर चैतन्य म्यूजियम होंगे।

84. हम ही साक्षी दृष्टा थे, हम ही अब साक्षी दृष्टा हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर साक्षी दृष्टा होंगे।

85. हम ही संगमयुगी प्रभुफल खाने वाले थे, हम ही अब संगमयुगी प्रभुफल खाने वाले हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर संगमयुगी प्रभुफल खाने वाले होंगे।

86. हम ही मास्टर मुरलीधर थे, हम ही अब मास्टर मुरलीधर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मास्टर मुरलीधर होंगे।

87. हम ही आज्ञाकारी थे, हम ही अब आज्ञाकारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर आज्ञाकारी होंगे।

88. हम ही दुआओं के भंडार थे, हम ही अब दुआओं के भंडार हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर दुआओं के भंडार होंगे।

89. हम ही वरदानों की खान थे, हम ही अब वरदानों की खान हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर वरदानों की खान होंगे।

90. हम ही अखण्ड महादानी थे, हम ही अब अखण्ड महादानी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अखण्ड महादानी होंगे।

91. हम ही परमात्म छत्रछाया में थे, हम ही अब परमात्म छत्रछाया में हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर परमात्म छत्रछाया में होंगे।

92. हम ही पास विथ ऑनर थे, हम ही अब पास विथ ऑनर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर पास विथ ऑनर होंगे।

93. हम ही अतीन्द्रिय सुख के झूले में थे, हम ही अब अतीन्द्रिय सुख के झूले में हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अतीन्द्रिय सुख के झूले में होंगे।

94. हम ही प्यूरिटी की पर्सनालिटी थे, हम ही अब प्यूरिटी की पर्सनालिटी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर प्यूरिटी की पर्सनालिटी होंगे।

95. हम ही रहमदिल थे, हम ही अब रहमदिल हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर रहमदिल होंगे।

96 हम ही दर्शनीय मूर्त थे, हम ही अब दर्शनीय मूर्त हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर दर्शनीय मूर्त होंगे।

97. हम ही अनुभव की अथॉरिटी थे, हम ही अब अनुभव की अथॉरिटी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अनुभव की अथॉरिटी होंगे।

98. हम ही मरजीवा थे, हम ही अब मरजीवा हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर मरजीवा होंगे।

99. हम ही विश्व परिवर्तक थे, हम ही अब विश्व परिवर्तक हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर विश्व परिवर्तक होंगे।

100. हम ही दिलतख्त नशीन थे, हम ही अब दिलतख्त नशीन हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर दिलतख्त नशीन होंगे।

101. हम ही शांति दूत थे, हम ही अब शांति दूत हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर शांति दूत होंगे।

102. हम ही ओटे सो अर्जुन थे, हम ही अब ओटे सो अर्जुन हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर ओटे सो अर्जुन होंगे।

103. हम ही अष्ट भुजाधारी थे, हम ही अब अष्ट भुजाधारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर अष्ट भुजाधारी होंगे।

104. हम ही ईश्वरीय सम्प्रदाय थे, हम ही अब ईश्वरीय सम्प्रदाय हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर ईश्वरीय सम्प्रदाय होंगे।

105. हम ही डबल ताजधारी थे, हम ही अब डबल ताजधारी हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर डबल ताजधारी होंगे।

106. हम ही दधीचि ऋषि थे, हम ही अब दधीचि ऋषि हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर दधीचि ऋषि होंगे।

107. हम ही तपस्वी शंकर थे, हम ही अब तपस्वी शंकर हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर तपस्वी शंकर होंगे।

108. हम ही प्रभु प्रत्यक्षता के सितारे थे, हम ही अब प्रभु प्रत्यक्षता के सितारे हैं और कल्प-कल्प हम ही फिर प्रभु प्रत्यक्षता के सितारे होंगे।

..... ओम शान्ति .....